NJESR/July-2025/Volume-7/Issue-7 E-ISSN-2582-5836
DOI-10.53571/NJESR.2025.7.7.24-29

साक्षरता में वृद्धि का स्वास्थ्य पर प्रभाव : भोजपुर जिला के संदर्भ में

नेहा कुमारी
शोध–छात्रा भूगोल विभाग
वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा
Email Id. : kumarinehadmr66@gmail.com

प्रो० संजय कुमार
स्नातकोत्तर, भूगोल विभाग
महाराजा कॉलेज, आरा
Email Id. : sk0374391@gmail.com

(Received-15-June2025/Revised-30-June2025/ Accepted-10-July-2025/ Published-30July2025)

सारांश

साक्षरता एक समाज की बुनियादी आवश्यकता है, जो न केवल व्यक्तिगत विकास को प्रोत्साहित करती है, बल्कि समाज के समग्र कल्याण में भी योगदान देती है। साक्षरता की वृद्धि का स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव पड़ता है, क्योंकि यह स्वास्थ्य सम्बंधी जानकारी की पहुँच, सही निर्णय लेने की क्षमता, और स्वास्थ्य सेवाओं का उपयोग करने की क्षमता को बढ़ावा देती है। साक्षरता में वृद्धि के साथ, लोगा स्वास्थ्य सम्बंधी जानकारी को अधिक आसानी से प्राप्त और समझ सकते है। साक्षार लोग स्वास्थ्य शिक्षा, रोगों की रोकथाम और स्वस्थ जीवनशैली के बारे में अधिक जान सकते हैं। यह जानकारी उन्हें स्वस्थ रहने के तरीकों को अपनाने और बीमारियों की शुरूआत से पहले ही उनकी पहचान करने में समक्षत बनाती है। साक्षरता से लोग स्वास्थ्य सम्बंधी पुस्तकें, लेख और ऑनलाइन सामग्री को समझ सकते हैं, जो उन्हें अपनी सेहत को बेहतर बनाने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करती है। इसके अलावा वे स्वास्थ्य अभियान और सूचनाओं को अधिक सक्रिय रूप से समझ सकते हैं, जो समाज में स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देती है।

भोजपुर जिला, जो बिहार राज्य के महत्वपूर्ण जिलों में से एक है, साक्षरता और स्वास्थ्य के मामले में अनेक चुनौतियों, और अवसरों का सामना कर रहा है। साक्षरता का स्वास्थ्य पर प्रभाव एक व्यापक और जटिल मुदा है, जो सामाजिक, आर्थिक और सास्कृतिक कारकों से प्रभावित होता है। साक्षरता में वृद्धि ने भोजपुर जिला में लोगों की स्वास्थ्य संबंधी जानकारी की पहुँच और समझ को बेहतर बनाया है। अब लोग स्वास्थ्य समस्याओं, रोकथाम के उपायों, और उपचार विधियों के बारे में अधिक जागरूकता है। साक्षरता में वृद्धि ने भोजपुर जिला मे लोगों की स्वास्थ्य संबंधी जानकारी की पहुँच और समझ को बेहतर बनाया है। अब लोग स्वास्थ्य समस्याओं, रोकथाम के उपायों, और उपचार विधियों के बारे में अधिक जागरूक है। साक्षरता में वृद्धि ने भोजपुर जिला मेमं स्वस्थ जीवनशैली और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाई है। साक्षर लोग संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और स्वच्छ प्रथाओं के महत्व को समझते है, अपनाते है। इस बदलाव के परिणामस्वरूप, जिला में संक्रामक रोगों की घटनाओं में कमी आइ है और स्वास्थ्य में सुधार हुआ है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में कई सरकारी और गैर सरकारी संगठनों द्वारा कार्यक्रम चलाए जा रहे है। इनमें टीकाकरण अभियान, रोगों की रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच को बेहतर बनाने के प्रयास शामिल है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य भोजपुर जिला में स्वास्थ्य स्थितियों को सुधारना और लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना है। साक्षर व्यक्ति स्वास्थ्य सेवाओं का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकते हैं। उन्हें उपचार के विकल्पों, दवाओं के निर्देश, और चिकित्सा प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी होती है, जिससे वे समय पर और सही उपचार प्राप्त कर सकते हैं। साक्षरता की वृद्धि के कारण, लोग अपॉइंटमेंट्स को बेहतर ढंग से समझते हैं, स्वास्थ्य बीमा के लाभ और शर्तों को जानते हैं, और चिकित्सा सुविधाओं के उपयोग की प्रक्रिया को समझते हैं। यह उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग करने में सक्षम बनाता है और आवश्यक चिकित्सा देखभाल प्राप्त करने में मदद करता है।

भोजपुर जिला, जो बिहार राज्य के महत्वपूर्ण जिलों में से एक है, साक्षरता और स्वास्थ्य के मामले में अनेक चुनौतियों और अवसरों का सामना कर रहा है। साक्षरता का स्वास्थ्य पर प्रभाव एक व्यापक और जटिल मुद्दा है, जो सामाजिक, आर्थिक, और सांस्कृतिक कारकों से प्रभावित होता है। इस लेख में, हम भोजपुर जिले में साक्षरता में हुए परिवर्तनों के स्वास्थ्य पर प्रभाव का विश्लेषण करेंगे, और यह समझने की कोशिश करेंगे कि इन परिवर्तनों ने स्थानीय समुदाय की सेहत पर क्या प्रभाव डाला है।

मुख्य शब्द : साक्षरता, स्वास्थ्य, जीवनशैली, जागरूकता, रोकथाम

उद्धेश्य

सर्वेक्षण शोध एवं अनुसंधान इत्यादि कभी भी उद्वेश्य विहीन नहीं हो सकते है। ये वास्तव में चुनौतीपूर्ण कार्य होते है। जिनमें समय व धन का भी काफी उपयोग होता है। इस शोध के अध्ययन का उद्वेश्य निम्नलिखित बिन्दुओं पर जानकारी प्राप्त करना है।

1. भोजपुर जिला में साक्षरता की स्थिति

Created by Universal Document Converter

2. भोजपुर जिला के विभिन्न प्रखंडों में शैक्षणिक संस्थानों की स्थिति
3. भोजपुर जिला के विभिन्न प्रखंडों में महिला व पुरूष साक्षरता की स्थिति।
4. भोजपुर जिला में साक्षरता दर में परिवर्तन
5. भोजपुर जिला में साक्षर व्यक्तियों के बीच स्वास्थ्य जागरूकता की स्थिति
6. भोजपुर जिला की साक्षरता और स्वास्थ्य के मध्य संबंध।

परिकल्पनाएँ

इस शोध कार्य के अंतर्गत कई परिकल्वपनाओं को सहारा लिया गया :–

1. साक्षरता में परिवर्तन से लोगों के बीच स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता में परिवर्तन आता है।
2. साक्षरता में परिवर्तन से लोगों के आय एवं व्यय में परिवर्तन आता है।
3. साक्षरता में परिवर्तन से स्वास्थ्य सुरक्षा पर सकारात्मक परिवर्तन देखा जाता है।
4. साक्षरता में परिवर्तन से लोगों के स्वस्थ्य जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है।
5. साक्षरता में परिवर्तन से जीवन प्रत्याशा में परिवर्तन आता है।

अध्ययन क्षेत्र

अध्ययन क्षेत्र भोजपुर जिला $25^0$10′ उत्तर तथा $25^0$40′ उत्तरी अक्षांश और $83^0$45′ पूर्व तथा $84^0$45′ पूर्वी देशान्तर के मध्य लगभग 2395 वर्ग किमी० के क्षेत्र पर फैला है। यह क्षेत्र मध्यवर्ती गंगा के मैदान का हिस्सा हैं। बिहार राज्य के प्राचीन शाहाबाद जिला/क्षेत्र का यह अंग रहा हैं। वर्त्तमान में भोजपुर जिला बिहार प्रांत के मध्यवर्ती पश्चिमी भाग में अवस्थित है। जिसकी कुल जनसंख्या 27,20,155 (2011) है।

सोन नदी पूरब में तथा गंगा नदी उत्तर में भोजपुर जिला की प्राकृतिक सीमाएँ बनाती हैं। उत्तर में गंगा नदी भोजपुर जिला को सारण जिला से तथा उत्तर प्रदेश के बलिया जिला से अलग करती है। पूरब में सोन नदी इसे भोजपुर जिला से अलग करता हैं। पश्चिम में बक्सर तथा दक्षिण में रोहतास जिला भोजपुर जिला से सीमाएँ बनाती है।

भोजपुर जिला, आरा सदर, जगदीशपुर तथा पीरो, तीन उपप्रमंडलों में विभक्त है। यहाँ वर्त्तमान में (2017) 14, विकास प्रखंड है, जिनके नाम हैं – शाहपुर, आरा, बड़हरा, कोईलवर, संदेश, उदवन्तनगर, पीरो, चरपोखरी, गड़हनी, अगिआँव, बिहिया, जगदीशपुर, तरारी, सहारा कुल मिलाकर भोजपुर जिला में 6 शहरी क्षेत्र तथा 228 ग्राम पंचायतें है। भोजपुर जिला का मुख्यालय शहर आरा $25^0$34′ उत्तरी अक्षांश $84^0$40′ पूर्वी देशांतर पर अवस्थित है। यह इस जिला का सबसे बड़ा शहर भी है। भोजपुर जिला का निर्माण 1972 ई० में तत्कालीन शाहाबाद जिला के उत्तरी भाग को अलग कर हुआ था। उत्तरी भाग भोजपुर जिला तथा दक्षिणी भाग रोहतास जिला बना। कालांन्तर में प्रशासनिक सुविधा की दृष्टि से 1991 ई० पुनः इसे दो भागों यथा–पश्चिमी भाग बक्सर जिला तथा पूर्वी भाग भोजपुर जिला के रूप में बनाया गया। 1972 से ही आरा भोजपुर जिला का मुख्यालय शहर बना रहा। भोजपुर जिला का नाम भोजपुर गाँव (वर्त्तमान में बक्सर जिला में) के नाम पर रखा गया जहाँ राजा भोज का निवास हुआ करता था।

भोजपुर जिला एवं आरा शहर का इतिहास काफी पुराना है। ऐसे कई प्रमाण मिलते हैं जो यह साबित करते है कि इस जिला में प्रागैतिहासिक काल में भी लोग निवास करते थे। आरा शहर के नाम के पीछे भी कई किवदंतियाँ प्रचलित है। ऐसा माना जाता है कि आरा शहर को यह नाम संस्कृत शब्द ''अरण्य'' से मिला है। जिसका अर्थ जंगल होता हैं। यह नाम/शब्द प्रमाणित करता हैं कि प्राचीन काल में यहाँ (इस प्रदेश में) घना जंगल हुआ करता था। आज भी आरा शहर में शहर रक्षिका के रूप में ''अरण्य देवी'' मंदिर को देखा जा सकता है। आरा शहर के नाम के पीछे प्रचलित किवदंतियों का वर्णन बुकानन ने भी अपने गजेटियर में किया है।

प्रसिद्ध चीनी यात्री ह्वेन सांग 7वीं सदी में भारत आया था तब उसने वर्त्तमान मसाढ़, आरा शहर से 40 किमी० दूर (मो–हो–सो–लो–नाम से वर्णित) गया था। उसने वहाँ यह पाया कि इस गाँव में अधिकांश ब्राहम्णों का निवास था। परन्तु वे बुद्ध के नियमों का पालन नहीं करते थे। अतः ह्वेन सांग मसाढ़ से निरास होकर वापस चला गया और आगे इस जिला में कहीं भी भ्रमण नहीं किया।

मसाढ़ तथा आरा शहर जैन मंदिरों के लिए विख्यात हैं। ऐसा माना जाता हैं कि देश के किसी भी एक शहर में जैन धर्म के इतने मंदिर नहीं है जितने कि आरा शहर एवं इसके निकटवर्ती क्षेत्रों में है। यहाँ जैन धर्म के लगभग 50 मंदिर हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर भोजपुर प्रदेश वीर बाँकुरा बाबू कुँवर सिंह जी के नाम से प्रसिद्ध हैं। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का यह (1857) सिपाही जगदीशपुर गाँव (भोजपुर जिला) से ही संबंधित हैं।

Created by Universal Document Converter

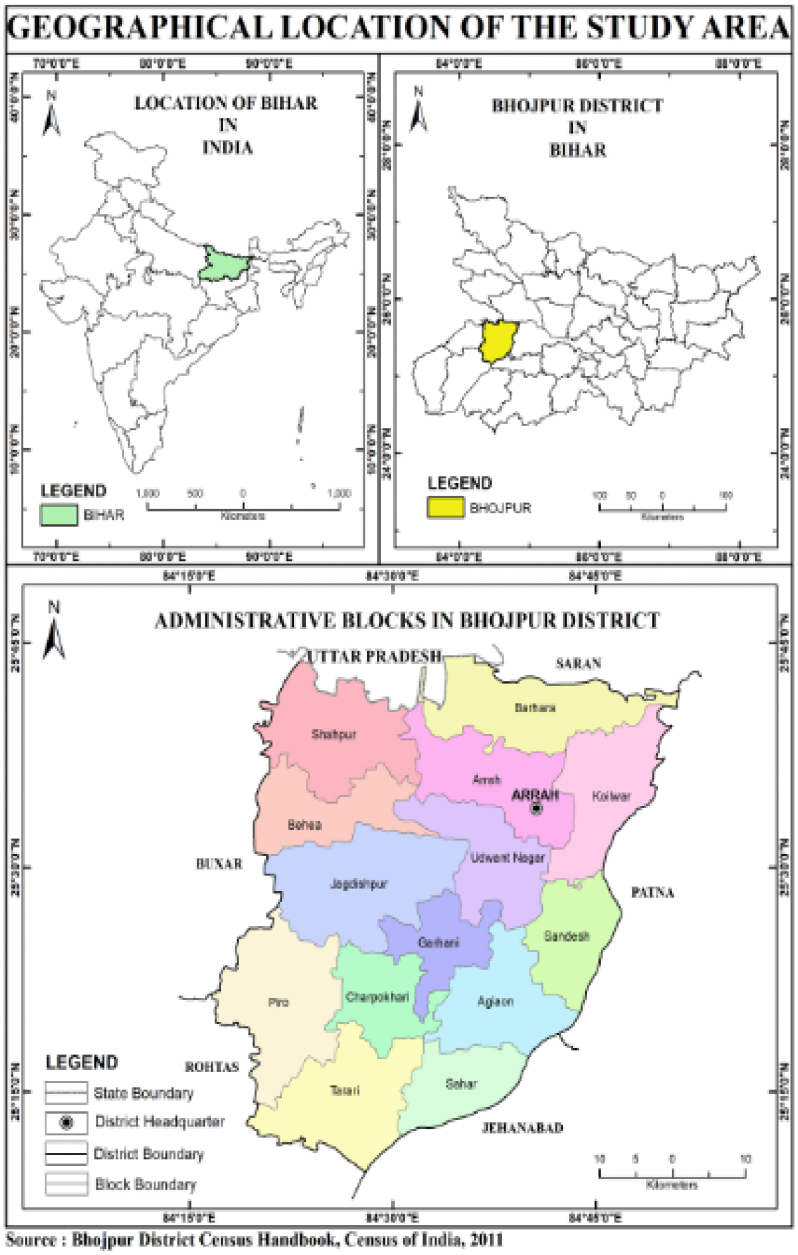

Source : Bhojpur District Census Handbook, Census of India, 2011

जिला एवं प्रखंडवार साक्षरता की स्थिति

2011 में भोजपुर की औसत साक्षरता दर 70.47 थी, जबकि 2001 में यह 70.47 थी। अगर लिंग के आधार पर देखा जाए तो पुरुष और महिला साक्षरता दर क्रमशः 81.74 और 58.03 थी। 2001 की जनगणना के लिए, भोजपुर जिले में यही आंकड़े 74.29 और 41.80 थे। भोजपुर जिले में कुल साक्षर 1,599,151 थे, जिनमें पुरुष और महिला क्रमशः 973,486 और 625,665 थे। 2001 में, भोजपुर जिले में 1,073,010 साक्षर थे।

भोजपुर जिला

कुल ग्रामीण साक्षरता, 2011–2024

क्र 0	प्रखंड	कुल जनसंख्या I	कुल साक्षरता I	कुल साक्षरता प्रतिशत	पुरूष साक्षरता I	प्रतिशत	महिला साक्षरता	प्रतिशत
1	शाहपुर	171442	75402	43.98	51918	68.85	23484	31.14
2	आरा	166264	80002	48.12	54221	67.77	25781	32.22
3	बड़हरा	194439	89429	46.00	60332	67.46	29097	32.53
4	कोईलवर	149636	71682	47.90	48038	67.01	23644	32.98
5	संदेश	90259	40047	44.37	27380	68.36	12667	31.68

Created by Universal Document Converter

6	उदवन्तनगर	132258	63384	47.92	42585	67.18	20799	32.81
7	बिहिया	118633	51865	43.72	35548	68.53	16317	31.46
8	जगदीशपुर	184456	77946	42.27	54489	69.87	23487	30.12
9	पीरो	181539	83915	46.22	56311	67.10	27604	32.89
10	चरपोखरी	84530	39089	46.24	26756	68.44	12333	31.55
11	गड़हनी	86325	39770	46.07	26965	67.80	12805	32.19
12	अगिआँव	112151	54701	44.78	37676	68.87	17025	31.12
13	तरारी	149213	72669	48.70	48087	66.17	24582	33.82
14	सहार	99585	45732	45.93	30574	68.85	15158	33.14
	भोजपुर	1930730	885663	45.87	600880	67.84	284783	32.15

स्त्रोत : भारत की जनगणना 2001 श्रृखंला 11 – खंड–1 (बिहार)

जनगणना वर्ष 2011 में भोजपुर जिले का शैक्षणिक स्तर 59.62 प्रतिशत है, जिसमें पुरूष 61.55 प्रतिशत तथा महिला 38.45 प्रतिशत है। 2001 में जिले की साक्षरता 45.87 प्रतिशत थी जिसमें पुरूष 67.84 प्रतिशत तथा महिला 32.15 प्रतिशत। जनगणना वर्ष 2001 और 2011 के बीच शैक्षणिक स्तर में 13.75 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जो जिले के लिए सराहनीय है। वर्ष 2011 में प्रखंड स्तर पर शैक्षणिक स्तर के आंकड़ों पर दृष्टिपात करते है तब पाते हैं कि सबसे अधिक साक्षरता वाला प्रखंड शाहपुर है जहाँ की साक्षरता लगभग 62 प्रतिशत (पुरूष 60.93 प्रतिशत तथा महिला 39. 06 प्रतिशत) है।

जिला एवं प्रखंडवार चिकित्सीय सुविधाएँ

स्वास्थ्य मिशन सरकारों को लचीला वित्त पोषण उपलब्ध कराकर ग्रामीण और शहरी स्वास्थ्य क्षेत्र को पुर्नजीवित करने का सरकार का स्वास्थ्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में चार घटक शामिल होते है।

1. राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन
2. राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन
3. स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा के लिए मानव संसाधन

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन प्रजनन और बच्चों के स्वास्थ्य पर परे ध्यान केन्द्रित कर स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने के सरकार के प्रयास को दर्शाता है। इसलिए इसके तहत संक्रमक और गैर संक्रामक बीमारियों के दोहरे बोक्ष के साथ स्वास्थ्य सेवा का अच्छा प्रर्दशन रहा। आज भारत विश्व में कोरोना के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए कई तरह के वैक्सीन का निर्माण कर रहा है। तथा आने वाले समय में विश्व के बढ़ते समार्थ्य को देखते हुए भारत में स्वास्थ्य सेवाएँ अधिक प्रभावशाली हुई है। राष्ट्रीय स्तर पर भारत सरकार के द्वारा चलाये जा रहे स्वास्थ्य कार्यक्रम निम्न है।

- आयुष्मान भारत योजना
- केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना
- राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम
- राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम
- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम
- मिशन इंद्रधनुष
- राष्ट्रीय आयोग्य निधि
- राष्ट्रीय आयुष मिशन
- प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना
- राष्ट्रीय रक्त नीति
- राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम
- जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम
- राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण कार्यक्रम
- राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम
- राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम
- पल्स पोलियों कार्यक्रम
- राष्ट्रीय बुर्जुग स्वास्थ्यक्रम इत्यादि।

Created by Universal Document Converter

मिशन को प्रबल कर स्वास्थ्य के क्षेत्र में भारत सरकार का अहम योगदान रहा। विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संगठनों तथा संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों ने देश में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण से जुड़े अनेक कार्यक्रमों के लिए महत्वपूर्ण तकनीकी सहायता देना जारी रखा।

भोजपुर जिला में स्वास्थ्य की स्थिति

भोजपुर जिला में स्वास्थ्य केन्द्रों ,अस्पतालों, जाँच घर, का हाल के दशकों में तेजी से विकास हुआ है। सन् 2018 में यहाँ कुल 30 ही निजी एवं सरकारी क्षेत्र में अस्पताल थे। इसकी यह संख्या बढ़कर 2019 ई॰ में 54 हो गयी जिसमें प्राथमिक केन्द्र 13, उप प्राथमिक केन्द्र सब सेन्टर 21 और 05 प्राइवेट स्वास्थ्य केन्द्र तथा अन्य अस्पतालों की संख्या 15 थे। 2020 ई॰ में अस्पतालों की कुल संख्या 82 हो गयी। 2021–2024 ई॰ में अस्पतालों की संख्या–150 में लगातार वृद्वि हुई। इस अवधि में स्वास्थ्य केन्द्रों में 35.6 प्रतिशत की वृद्वि हुई। आज इस जिला में कुल स्वास्थ्य केन्द्रों की संख्या 259 हो गयी है, जिसमें 1 अनुमण्डलीय अस्पताल, 7 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 109 सब सेन्टर, 19 अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 51 प्राइवेट अस्पताल तथा 72 अन्य अस्पताल हैं। भोजपुर जिला में स्वास्थ्य केन्द्रों के विकास को नीचे में दिखलाया गया है

भोजपुर जिला में अस्पतालों की बढ़ती संख्या (2018–2024)

वर्ष	अनुमण्डलीय अस्पताल	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र	सब सेन्टर	अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र	प्राइवेट अस्पताल	अन्य अस्पताल	कुल
2017	–	09	04	–	04	13	30
2019	–	13	21	–	05	15	54
2020	–	15	38	–	08	21	82
2021	–	25	53	05	15	33	131
2022	–	04	82	10	35	57	191
2023	01	04	99	16	47	67	237
2024	01	04	109	19	51	72	259

सोत–जनगणना कार्य निदेशालय, पटना (बिहार)

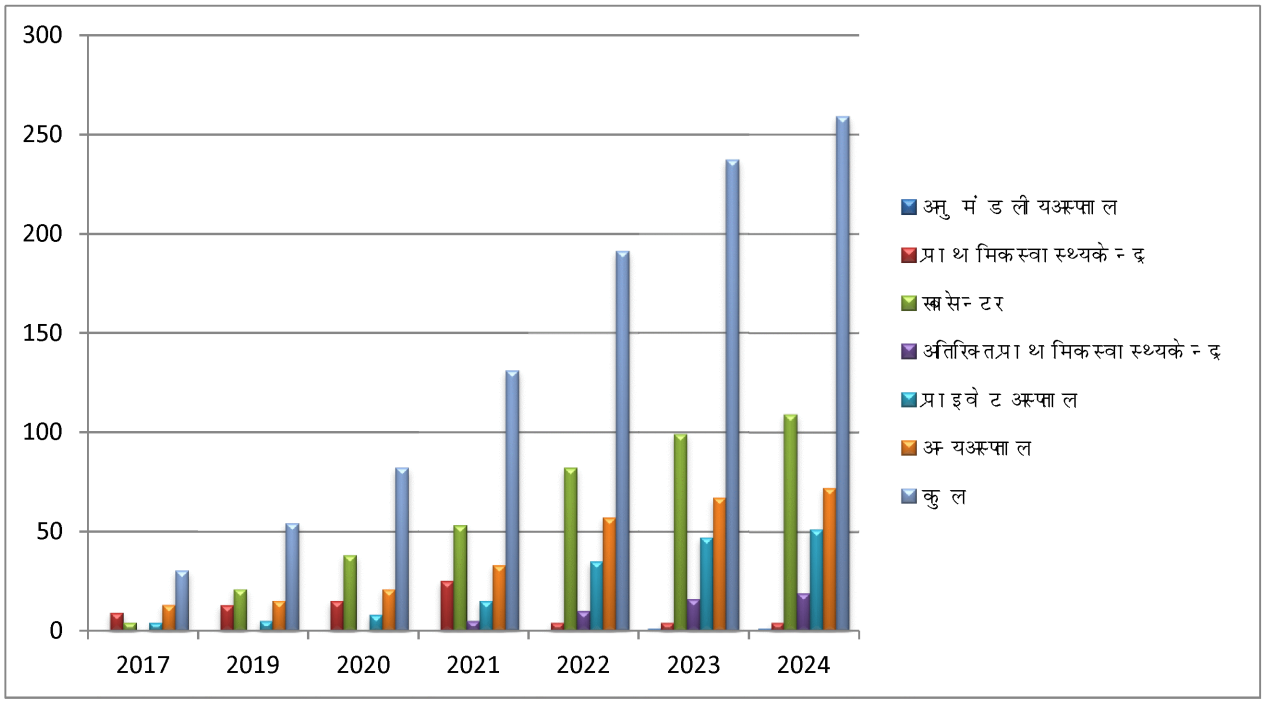

Created by Universal Document Converter

सारांश–

साक्षरता में सुधार के बावजूद, स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और उनकी उपलब्धता एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। साक्षर लोगों को भी यदि गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच नहीं मिलती, तो इसका प्रभाव सीमित हो सकता है।

भोजपुर जिले में शिक्षा और साक्षरता के क्षेत्र में विभिन्न सरकारी और गैर–सरकारी प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों में स्कूलों का निर्माण, शिक्षा के प्रचार–प्रसार के लिए जागरूकता अभियान, और साक्षरता कार्यक्रम शामिल हैं। इनका उद्देश्य लोगों की साक्षरता दर को बढ़ाना और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में भी कई सरकारी और गैर–सरकारी संगठनों द्वारा कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इनमें टीकाकरण अभियान, रोगों की रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान, और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच को बेहतर बनाने के प्रयास शामिल हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य भोजपुर जिले में स्वास्थ्य स्थितियों को सुधारना और लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना है।

भोजपुर जिले में साक्षरता में बदलाव ने स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। साक्षरता में वृद्धि ने स्वास्थ्य जानकारी की पहुँच, स्वास्थ्य सेवाओं का उपयोग, और स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने में मदद की है। हालांकि, कुछ चुनौतियाँ और बाधाएँ भी मौजूद हैं, जिनका समाधान करके स्वास्थ्य स्थितियों में और सुधार किया जा सकता है। सरकारी और गैर–सरकारी प्रयासों के माध्यम से, भोजपुर जिला एक स्वस्थ और साक्षर समाज की दिशा में कदम बढ़ा सकता है। साक्षरता और स्वास्थ्य के बीच का संबंध गहरा और महत्वपूर्ण है, और इसका प्रभाव समाज के समग्र कल्याण को बढ़ाने में सहायक होता है।

भोजपुर जिला, बिहार राज्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक दृष्टि से समृद्ध है। यहाँ की प्रमुख आर्थिक गतिविधियाँ कृषि, निर्माण और छोटे व्यवसाय हैं। जिले की जनसंख्या विविध है और इसमें कई सामाजिक और आर्थिक वर्ग शामिल हैं। साक्षरता दर और स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति सुधार के लिए निरंतर प्रयासों की आवश्यकता है।

संदर्भ सूची :–

1. ओझा रघुनाथ – जनसंख्या भूगोल, प्रतिभा प्रकाशन, कानपुर ;यू॰पी॰द्ध, पृष्ठ सं॰–01
2. चान्दना, आर॰ सी॰ (2012) – जनसंख्या भूगोल, कल्याणी पब्लिशर्स, नई दिल्ली, पृष्ठ सं॰ 1–3
3. प्रशिक्षण पुस्तिका–2 (2012) – पंचायती राज विभाग, बिहार सरकार, पटना, पृष्ठ सं॰–20
4. प्रसाद, सुरेश (2012) – मानव भूगोल, भारती भवन पब्लिकेशन्स, पृष्ठ सं॰–13
5. राव वी॰पी॰ और सिंह, आर॰बी॰पी॰ (1995) – बिहार का भौगोलिक स्वरूप, वसुंध्रा प्रकाशन, गोरखपुर (यू॰पी॰), पृष्ठ सं॰–8
6. हुसैन मस्जिद (2000) – मानव भूगोल, रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर, पृष्ठ सं॰–63
7. गौतम अलका, (2008), **भारत का वृहद भूगोल**, शारदा पुस्तक भवन इलाहाबाद, पृष्ठ संख्या–2015
8. तिवारी, आर.सी (2015), **भारत का भूगोल**, प्रवालिका पब्लिकेशन्स इलाहाबाद, पृष्ठ–संख्या–523
9. **वर्णवाल**, महेश (2012), **भूगोल एक समग्र अध्ययन** कस्मौस पब्लिकेशन्स, वजीरावाद दिल्ली पृष्ठ संख्या–163
10. सिन्हा, विश्वनाथ, मोहम्मद नाजिम, पाठक चन्द्रशेखर एवं अहमद, प्रिस फिरोज (2014), **बिहार का भूगोल** राजेश पब्लिकेशन्स नई दिल्ली।
11. हुसैन, माजिद (1997), **मानव भूगोल**, रावत पब्लिकेशन, जयपुर पेज–93
12. शर्मा, एस. के (2003), **भारत लोग और अर्थव्यवस्था** एन.सी.आई.टी., नई दिल्ली।
13. यादव हीरालाल एवं सिन्हा, सविता (2003), **मानव भूगोल का मूल सिद्धांत** NCERT नई दिल्ली।
14. दत्त, रूद्र सुन्दरम 2008 – **इंडियन इकौनॉमी**– एस, चान्द, प्रकाशन नई दिल्ली।

Created by Universal Document Converter